मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 06 फरवरी 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	06-02-14	07-02-14	08-02-15	09-02-15	10-02-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	1	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	27	27	26	26	27
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	11	10	10	11	12
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	1	3	2	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	41	49	62	40	36
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	18	19	23	24	24
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	8	13	15	12
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	दक्षिण	उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

तापमान में वृद्धि के कारण गेहूँ की फसल में दीमक के प्रकोप के प्रति सचेत रहें। लक्षण दिखाई देने पर 4 लीटर क्लोरोपायरीफॉस (20 ई.सी.) प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।

कुष्माण्ड कुल की ग्रीष्मकालीन सब्जियों के लिये प्रमुख किस्मों की बुवाई करें :–
लौकी : पूसा समर प्रोलिफिक राउण्ड, पूसा मंजरी,पूसा नवीन, पूसा मेघदूत, अर्का बहार।
कद्दू (काशीफल) : पूसा विश्वास, पूसा अलंकार, अर्का चन्दन, पूसा हाइब्रिड–1।
धारीदार तुरई : पूसा नसदार, कल्याणपुर धारीदार, अर्का सुमित, अर्का सुजात।
खीरा : बालम खीरा, पॉइनसटे, जापानीज लोंग ग्रीन, पूसा अलंकार।
टिण्डा : बीकानेरी ग्रीन, दिल पसन्द, अर्का टिण्डा, जयपुर लोकल रोएंदार।

जहाँ पर सिंचाई की सुविधा हो वहाँ अमरूद, अनार, बेर व आंवला के पौधे फरवरी माह में लगाये जा सकते हैं।

पशुओं में थनैला रोग के प्रकोप पर नजर रखें। थन का छोटा होना, दूध में खून आना, थन में गांठ बनना इत्यादि लक्षण दिखाई देने पर निकट के पशुचिकित्सक से तुरन्त इलाज कराएं।